वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 76 | शुक्रवार 14 जुलाई 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

केन्द्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी आएंगे जयपुर

प्रभारी बनने के बाद पहली बार आएंगे जयपुर, प्रदेश के नेताओं की टटोलेंगे नब्ज

जयपुर. कासं। प्रदेश का चुनाव प्रभारी नियुक्त होने के बाद शुक्रवार को पहली बार केन्द्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी जयपुर आ रहे हैं। जयपुर में प्रह्लाद जोशी बीजेपी पदाधिकारियों के साथ-साथ जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारियों एवं प्रदेश स्तरीय कार्यकर्ताओं की बैठक लेंगे। प्रह्लाद जोशी सुबह 10 बजे जयपुर पहुंचेंगे। 11 बजे जवाहर सर्किल स्थित एंटरटेनमेंट पैरेडाइज में विधानसभा प्रभारी, संयोजक, जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी, एवं प्रदेश स्तरीय कार्यकर्ताओं की बैठक लेंगे। प्रदेश भाजपा मुख्यालय मे बीजेपी पदाधिकारियों और जिला अध्यक्षों की बैठक लेंगे। वहीं दोपहर 3 बजे प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक लेने के बाद जोशी बैंगलोर के लिए रवाना हो जाएंगे। दरअसल केन्द्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी को 7 जुलाई को बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राजस्थान का चुनाव प्रभारी नियुक्त किया था। उनके साथ नितिन पटेल व कुलदीप विश्नोई को सह-चुनाव प्रभारी नियुक्त किया गया था।

नर्सिंग के 8 हजार से ज्यादा पदों की भर्ती अटकी

हाईकोर्ट ने चयन सूची जारी करने पर लगाई रोक, फार्मासिस्ट-नर्सिंग मामले पर साथ होगी सुनवाई

जयपुर. कासं। फार्मासिस्ट के बाद अब नर्सिंग ऑफिसर भर्ती भी हाई कोर्ट में अटक गई है। कोर्ट ने नर्सिंग भर्ती में 20 जुलाई तक चयन सूची जारी करने पर रोक लगा दी है। इससे करीब 8,750 पदों पर भर्ती प्रक्रिया को झटका लगा है। जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस प्रवीर भटनागर की खंडपीठ अब फार्मासिस्ट व नर्सिंग भर्ती मामले में एक साथ सुनवाई करेगी। याचिकाकर्ता भरत बेनीवाल ने बताया कि हमने भर्ती में लिखित परीक्षा नहीं करवाने के विभाग के निर्णय को चुनौती दी थी। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता आनंद शर्मा ने बताया- राजस्थान स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान सीधे जनरल नर्सिंग और मिडवाइफरी में डिप्लोमा या फिर उनके समकक्ष योग्यता प्राप्त अंकों के आधार पर नियुक्तियां दे रहा था। इसे हमने चुनौती देते हुए कोर्ट को बताया कि अलग-अलग राज्यों की यूनिवर्सिटी का स्टडी पैटर्न, परीक्षा का तरीका, अंक देने का पैटर्न सब अलग-अलग होता है। ऐसे में केवल एकेडमिक डिग्री के अंकों के आधार पर नियुक्ति नहीं दी जानी चाहिए।

कोर्ट ने नर्सिंग भर्ती को भी फार्मासिस्ट भर्ती के मामले के साथ टैग किया

हमने कोर्ट को यह भी बताया कि एक तरफ तो विभाग नर्सिंग की संविदा भर्ती में लिखित परीक्षा ले रहा है, लेकिन परमानेंट भर्ती में सीधे एकेडमिक व प्रोफेशनल डिग्री के अंकों के आधार पर नियुक्ति दे रहा है। उन्होंने बताया कि कोर्ट ने नर्सिंग भर्ती को भी फार्मासिस्ट भर्ती के मामले के साथ टैग कर दिया है। विभाग को इस मामले में विस्तृत जवाब पेश करने के निर्देश दिए गए हैं।

राष्ट्रपति का संबोधन होगा, 11 बिल पेश किए जाएंगे

अब रोजगार गारंटी बिल इसी सत्र में; नकल माफिया को उम्रकैद का प्रावधान

जयपुर. कासं

राजस्थान विधानसभा के फिर शुरू हो रहे सत्र के पहले दिन सदन में शुक्रवार को सुबह 11 बजे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का विशेष संबोधन होगा। राजस्थान विधानसभा में राष्ट्रपति का संबोधन पहली बार हो रहा है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी स्वागत उद्बोधन देंगे। राज्यपाल कलराज मिश्र मौजूद रहेंगे। उधर, विधानसभा सत्र के दौरान करीब एक दर्जन नए, संशोधित एवं पेंडिंग बिल पारित करवाए जाएंगे।

शाम को सेमिनार में मुख्य अतिथि होंगी राष्ट्रपति मुर्मू

कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट एसोसिएशन के राजस्थान चैप्टर की ओर से शुक्रवार को शाम 6 बजे झालाना संस्थानिक क्षेत्र स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन होगा। ''राजस्थान विधानसभा के सांविधानिक पदधारकों की लोकतंत्र सुदृढ़ीकरण में भूमिका'' विषयक सेमिनार की मुख्य वक्ता एवं समारोह की मुख्य अतिथि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू होंगी। राज्यपाल कलराज मिश्र, सीएम अशोक गहलोत, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी,

विधानसभा में प्रतिपक्ष नेता राजेंद्र राठौड़ सेमिनार को संबोधित करेंगे।

राजस्थान यूनिवर्सिटीज में अस्थाई शिक्षक विधेयक: इसमें अस्थाई अध्यापकों को 180 दिन की समाप्ति के पश्चात नियमित करने की कवायद की जा सकेगी।

राजस्थान जेल विधेयक: जेल सुधारों, बंदियों के मानवाधिकारों के हक, बंदियों के लिए कौशल विकास कार्यक्रम एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण बोर्ड के गठन एवं सरकार को जेल प्रबंधन से संबंधित मामलों पर सलाह के लिए राज्य जेल सलाहकार बोर्ड की नियुक्ति शामिल है। राजीव गांधी फिनटेक डिजिटल संस्थान विधेयक और महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नेंस एंड सोशियल सांइसेंज संस्थान विधेयक फिनटेक संस्थान जोधपुर में है और महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट जयपुर में खुलेगा।

राजस्थान प्राइवेट एजुकेशनल इंस्टीट्यूट रेगुलेटरी अथॉरिटी बिल: इसमें सभी प्राइवेट शैक्षणिक एवं कोचिंग संस्थानों से जुड़ा कानून है। इसमें रजिस्ट्रेशन, फीस नियंत्रण एवं फीस वापसी से प्रावधान शामिल हैं। राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम के अध्युपाय) एक्ट 2022 : राज्य सरकार नकल विरोधी कानून में संशोधन कर अधिकतम सजा 7 साल से बढ़ाकर उम्रकैद तक करने का प्रावधान है।

पेंशन एवं रोजगार एक्ट: मिनिमम इनकम गारंटी योजना में बुजुर्ग, विधवा, एकल महिला को कम से कम 1000 रुपए हर महीने पेंशन देने का प्रावधान शामिल होगा। हर साल 15 प्रतिशत बढ़ोतरी। गांव और शहरों में नरेगा के तहत 125 दिन रोजगार देने का प्रावधान होगा।

राजस्थान विधियां निरशन विधेयक: इसमें प्रदेश में गैर जरूरी कानूनों एवं हटाया जाएगा। जिनका अब कोई महत्व नहीं रह गया है।

राजस्थान स्टेट मेला प्राधिकरण विधेयक : प्रदेश में लगने वाले मेले या बड़े आयोजनों को लेकर प्राधिकरण का गठन किया जाएगा, ताकि व्यवस्थाओं निगरानी रखी जा सके।

प्रतिभाओं के सम्मान के साथ किया वाटर कूलर एवं बेंच का लोकार्पण

सुजानगढ़. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन समाज सुजानगढ़ निवासी जयपुर प्रवासी समाजसेवी कंवरीलाल काला की प्रेरणा से निहालचंद महेंद्र कुमार महेश कुमार बगड़ा परिवार ईटानगर परिवार के सौजन्य से सुजलांचल विकास मंच समिति के तत्वावधान में राजकीय झंवर उच्च माध्यमिक विद्यालय में छात्र छात्राओं के लिए वाटर कूलर व गुवाहाटी प्रवासी श्रीपाल कुसुम देवी चुड़ीवाल परिवार द्वारा छात्र छात्राओं के बैठने हेतु 5 आरामदायक आरसीसी गार्डन बैंच भेंट की गई। समिति के उपाध्यक्ष महावीर प्रसाद पाटनी ने बताया कि कार्यक्रम में वर्ष 2022/23 की प्रतिभावान 19 गार्गी पुरस्कार चयनित छात्राओं को समिति द्वारा प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

महानगर ग्रुप द्वारा डॉ राकेश जैन का अभिनंदन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप महानगर के पदाधिकारियों द्वारा ग्रुप के वरिष्ठ सदस्य डॉ राकेश जैन को एस एम एस हॉस्पिटल का एडिशनल प्रिंसिपल बनाए जाने पर माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया। प्लास्टिक सर्जरी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष एवं इमरजेंसी के प्रभारी डॉ राकेश जैन अभी हाल ही में एडिशनल प्रिंसिपल की पोस्ट पर पदोन्नत किए गए हैं। इस अवसर पर ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं एवं पूर्व अध्यक्ष चंद्रशेखर जैन, रवि प्रकाश जैन, डॉ राजीव जैन , संजय जैन , सुशील कासलीवाल,और सुनील गंगवाल मौजूद रहे।

सकल दिगंबर जैन समाज कोटा ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को दिया ज्ञापन

कोटा. शाबाश इंडिया। सकल दिगम्बर जैन समाज कोटा ने अनेक समाज जनों की उपस्थिति में कर्नाटक में आचार्य श्री कामकुमार नंदी जी महाराज की की हत्या पर उचित कार्रवाई करने हेतु लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला को ज्ञापन सौंपा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रकरण की अविलंब सख़्त कार्यवाही का आश्वासन दिया। सकल दिगंबर जैन समाज कोटा ने ट्रेफि क गार्डन से जुलूस लोकसभा कैंप कार्यालय तक निकाला। अपार संख्या में समाज बंधुओं की उपस्थिति में जोरदार प्रदर्शन और नारेबाजी करते हुए कर्नाटक के बेलगांव में आचार्य श्री काम कुमार नंदी जी महाराज के साथ हुए जघन्य एवं घृणित हत्याकांड के विरोध में माननीय अध्यक्ष ओम बिरला के नाम ज्ञापन देकर आरोपीयो को अविलंब फाँसी की सजा की माँग की ।

श्री राहुल - मोनिका बड़जात्या
श्री मनीष - नीरज लुहाडिया
को वैवाहिक वर्षगांठ की
हार्दिक शुभकामनाएं

14 जुलाई

दवीश बडजात्या
को जन्मदिन की
हार्दिक शुभकामनाएं

चंचल देवी, नवीन- विनीता, कमल- मधु, राकेश - सरोज, नवीन - मीनाक्षी, रोहित - कीर्ति, वैभव, अर्चित , विविधा, नेहल , आदित्य , कीर्तिका, हार्दिक, इशिता , मानवी, अनिका, दक्ष , दीक्षा , एवं समस्त बड़जात्या परिवार नसीराबाद

श्री महावीर कॉलेज में महावीर सिविल सर्विसेज एकेडमी का शुभारंभ 15 जुलाई से

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद द्वारा श्री महावीर कॉलेज में महावीर सिविल सर्विसेज एकेडमी शनिवार 15 जुलाई 2023 से प्रारंभ की जा रही है। प्राचार्य डा. आशीष गुप्ता के अनुसार समारोह में मुख्य अतिथि आई ए एस डा.पवन कुमार व नव चयनित आई ए एस, आर ए एस व अन्य अधिकारी होंगे जो विद्यार्थियो से सीधा संवाद करेंगे व उन्हें प्रोत्साहित करेंगे। परिषद के अध्यक्ष उमरावमल संघी, मानद मंत्री सुनील बख्शी ने बताया कि इस एकेडमी में आई ए एस, आर ए एस, कैट, एस एस सी, बैंक पीओ एवं अन्य कॉमपिटेटीव एग्जाम्स की तैयारी वरिष्ठ एवं अनुभवी अध्यापकों द्वारा न्यूनतम शुल्क पर उपलब्ध करवाई जाएगी।

महिला जागृति संघ की 45 सदस्य वियतनाम की विदेश यात्रा पर रवाना

जयपुर. शाबाश इंडिया। महिला जागृति संघ की आज वियतनाम विदेश यात्रा के लिए 45 सदस्य प्रातः 11.30 पर भट्टारक जी की नसियाँ नारायण सिंह सर्किल से भगवान आदिनाथ की जयकारे के साथ रवाना हुई। अध्यक्ष शशि जैन एवम सचिव बेला जैन ने बताया कि संस्था की यह चौथी विदेश यात्रा है तथा हम विदेश में हमारी संस्कृति, हमारी धार्मिक भावनाओं व सकारात्मक सोच के साथ जैन धर्म की प्रभावना बड़ाते हैं।

हम नहीं करते माता-पिता की सेवा इसीलिए खोलने पड़ते वृद्धाश्रम- इन्दुप्रभाजी म.सा.

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। हम अपने बुर्जुग माता-पिता की सही सेवा करे तो वृद्धाश्रम खोलने की जरूरत ही कहां है। हम वृद्धावस्था में माता-पिता की सेवा नहीं करते इसलिए वृद्धाश्रम खोलने की जरूरत पड़ती है। माता-पिता की सेवा भी धर्म की आराधना है। हमारे कारण कभी माता-पिता को पीड़ा नहीं होनी चाहिए। ये विचार शहर के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित स्थानक रूप रजत विहार में गुरूवार को मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या मरूधरा ज्योति महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने नियमित चातुर्मासिक प्रवचनमाला में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि विद्या प्राप्त करनी है तो प्रमाद छोड़ना होगा। प्रमाद छोड़ बिना कभी आध्यात्मिक हो या भौतिक किसी तरह की विद्या की प्राप्ति नहीं हो सकती है। महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने जैन रामायण का वर्णन करते हुए बताया कि किस तरह दशामुख ओर उसके भाईयों को उसकी माता केतकी बताती है कि लंका का राज राजा इन्द्र ने उसके परदादा को मारकर छीन लिया।

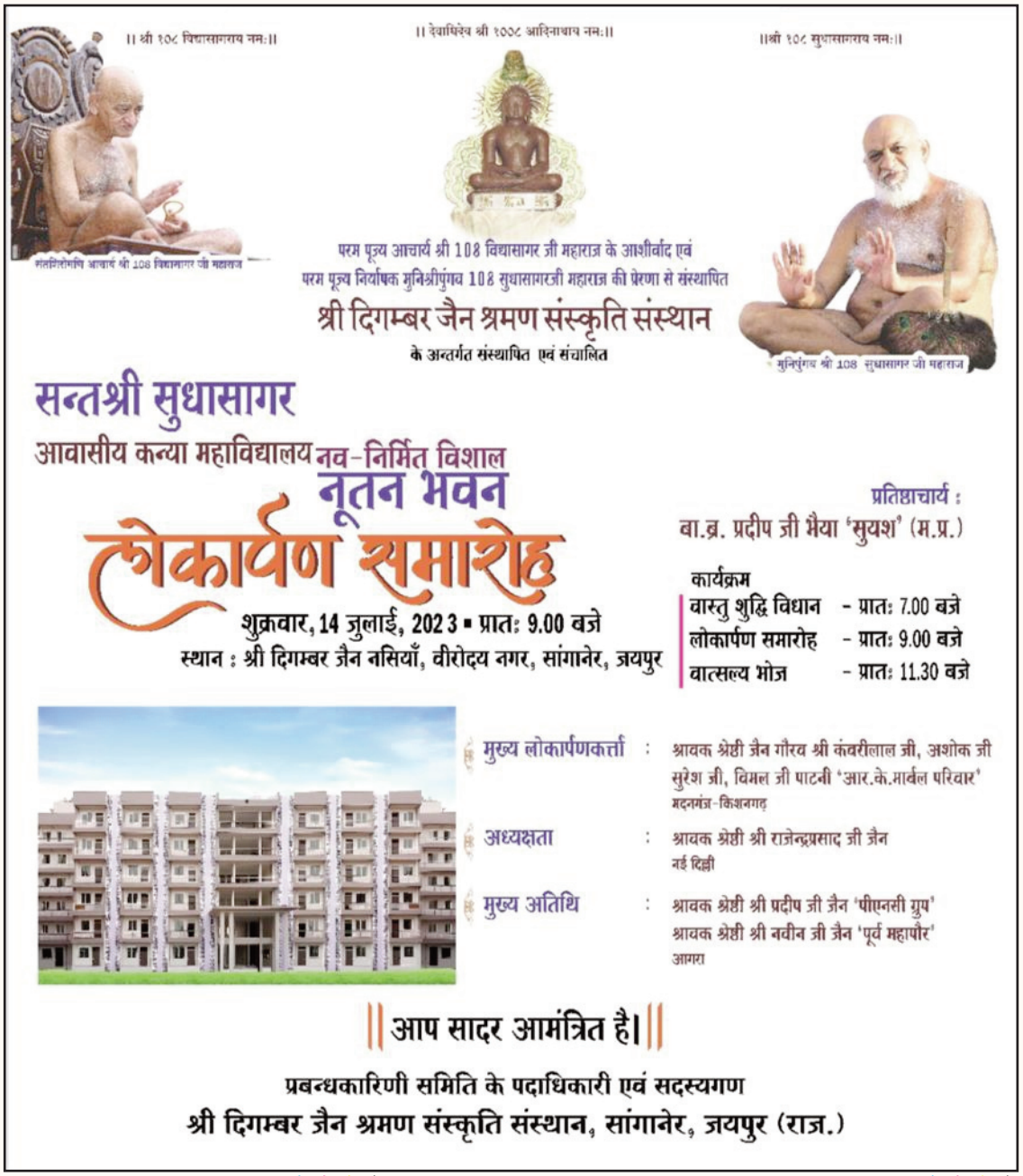

वेद ज्ञान

आस्था का आधार

धर्म व अध्यात्म जगत में आरंभ से ही आस्था सबसे अधिक चर्चित शब्द रहा है। यह कहा जा सकता है कि आस्था से ही धर्म की बात आगे बढ़ती है। ईश्वर में आस्था मनुष्य का सर्वश्रेष्ठ गुण है। यह एक तरह से अपने सृजनहार और पालनहार के प्रति आभार की अभिव्यक्ति है। आस्था परमात्मा की सत्ता को स्वीकार और शिरोधार्य करने जैसा है, किंतु भावनाओं के अतिरेक में मनुष्य की ईश्वर और धर्म में आस्था को मापदंडों से बाहर मान लिया जाता है। इससे अंध आस्था का संकट खड़ा नजर आता है। जब कोई तर्क काम न करे, तब उसके परिणाम का आकलन भी कठिन हो जाता है। अंध विश्वास के कुपरिणाम प्रायः देखने को मिलते हैं। इससे एक सहज प्रश्न उभरता है कि क्या यह ईश्वर की राह हो सकती है? सभी धर्मों की समान राय है कि ईश्वर एक परम शक्ति है जिसने इस संसार की रचना की है और वही अपने अनुसार इसे चला रहा है। इतनी विशाल सृष्टि की रचना किसी नियोजन और आधार के बगैर संभव नहीं है। मनुष्य एक साधारण से घर का निर्माण आरंभ करता है तो उसके लिए भी योजना बनाता है अपने और परिवार के भविष्य के लिए भी कुछ निश्चित लक्ष्य तय करता है। उसे बोध है कि किसी निर्धारित योजना को अपनाकर ही उपलब्धियां अर्जित की जा सकती हैं। समाज, व्यवसाय, राज्य आदि सभी एक निश्चित मार्ग को अपनाते हैं। सभी जगह तर्कों और सिद्धांतों का बोलबाला है। फिर धर्म जगत में ऐसी अनिश्चितता क्यों जिससे अंधविश्वास को स्थान और मान्यता मिले। मनुष्य तो सारे नियोजन के बाद भी भूल कर सकता है। वह पक्षपात, धोखा, फरेब, अन्याय, अनाचार कर सकता है, किंतु ईश्वर के बारे में ऐसा सोचा भी नहीं जा सकता। वास्तव में मनुष्य अपनी दुर्बलताओं और दुर्गुणों को अंध विश्वास अथवा तर्क के परे विश्वास का नाम देकर उत्तर देने से बचना चाहता है। ईश्वर में आस्था उसके गुणों में आस्था है। ईश्वर पालक है तो यह विश्वास स्वाभाविक है कि वह सब के हित देखेगा। ईश्वर न्यायकर्ता है तो सभी यह मान लें कि वे न्याय से वंचित नहीं रहेंगे। ईश्वर अंतर्यामी है तो यह विश्वास होना चाहिए कि वह सभी के मन को जान रहा है। वह दाता है तो उसमें आस्था हो कि वह सभी को उनकी पात्रता के अनुसार देगा।

संपादकीय

बृजभूषण शरण सिंह पर शिकंजा कसना शुरू...

आखिरकार दिल्ली पुलिस ने माना है कि कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न का मुकदमा चलाया जा सकता है। छह पहलवानों ने उनके खिलाफ यौन उत्पीड़न, गलत तरीके से छूने, पीछा करने और डराने-धमकाने के आरोप लगाए थे। उनमें पंद्रह मामले यौन उत्पीड़न के थे। दस मामले गलत तरीके से छूने के थे। उसमें एक नाबालिग पहलवान के यौन उत्पीड़न का भी आरोप था। इन शिकायतों के साथ इस साल फरवरी में महिला पहलवानों ने धरना-प्रदर्शन किया था। तब सरकार ने उन्हें समझा-बुझा और यह भरोसा दिला कर धरना उठाने पर राजी कर लिया था कि एक समिति इस मामले की जांच करेगी और तब तक कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष पद पर बृजभूषण शरण सिंह नहीं रहेंगे। मगर उस समिति ने इस मामले में कोई जांच नहीं की तो महिला पहलवान फिर से धरने पर बैठ गए। उस धरने को खत्म कराने के तरह-तरह से प्रयास किए गए, मगर दिल्ली पुलिस ने

बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। सरकार ने भी कोई सकारात्मक रुख नहीं दिखाया। सर्वोच्च न्यायालय ने फटकार लगाई, तब दिल्ली पुलिस ने मामला दर्ज करने की सक्रियता दिखाई, मगर मुकदमा दर्ज नहीं किया। उसने कहा कि पहले जांच करनी होगी कि महिला पहलवानों के आरोपों में कितनी सच्चाई है। हालांकि बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ जैसे संगीन आरोप लगे थे, उसमें तुरंत कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए थी, मगर पुलिस शिथिल बनी रही और कुछ गवाहों और आरोपियों को तोड़ने का समय मिल गया। इसका ही नतीजा था कि नाबालिग पहलवान ने अपना आरोप वापस ले लिया। फिर देश भर से महिलाओं के विरोध का स्वर उभरना शुरू हुआ। मगर पहलवानों के आंदोलन को कमजोर करने के तरह-तरह के हथकंडे अपनाए गए। बृजभूषण शरण सिंह खुद को बेगुनाह बताते हुए पहलवानों के खिलाफ बयान देते रहे। यहां तक कि उन्होंने अपने पक्ष में अयोध्या में संतों का एक सम्मेलन भी आयोजित कर लिया, हालांकि उस पर रोक लग गई। मगर उन्होंने खुद एक विशाल रैली करके अपना दम दिखाया। फिर जिस दिन नए संसद भवन का उद्घाटन हो रहा था, महिला पहलवान और देश के विभिन्न हिस्सों से आई महिलाएं विरोध प्रदर्शन करते हुए नए संसद भवन की तरफ बढ़ रही थीं, तब पुलिस ने उनके खिलाफ दमनात्मक कार्रवाई की। जंतर मंतर के उनके धरना स्थल को उजाड़ दिया गया। इस तरह वह आंदोलन कुचल दिया गया। फिर महिलाओं ने कानूनी लड़ाई लड़ने का मन बनाया। अब दिल्ली पुलिस ने अपने आरोप पत्र में स्वीकार किया है कि बृजभूषण शरण सिंह ने महिला पहलवानों का यौन उत्पीड़न किया, उन्हें गलत तरीके से छुआ और पीछा किया, डराया-धमकाया। पुलिस का कहना है कि यह आरोप पत्र उसने विभिन्न पहलवानों, प्रशिक्षकों, खिलाड़ियों आदि के पूछताछ के आधार पर तैयार किया है। उसने अदालत को कुछ गवाहों के नाम भी सुझाए हैं, जिनसे पूछताछ की जा सकती है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

यातायात नियम...

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर लगातार त्रासद घटनाओं के सामने आते रहने के बावजूद कोई भी सबक लेने को तैयार नहीं है। किसी भी हादसे का सबक यह होना चाहिए कि नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि अपने गंतव्य के लिए निकले लोगों के सामने जान गंवाने की नौबत न आए। मगर ऐसा लगता है कि हमारे यहां हादसों को लेकर सड़क प्रबंधन से जुड़े महकमे और निजी इकाइयों से लेकर आम लोगों के बीच भी कोई सजगता नहीं है, जबकि एक पल की चूक या लापरवाही की वजह से नाहक ही कइयों की जान चली जाती है। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर मंगलवार को हुआ हादसा इसका प्रमाण है कि ऐसी लगातार त्रासद घटनाओं के सामने आते रहने के बावजूद कोई भी सबक लेने को तैयार नहीं है। गौरतलब है कि इस एक्सप्रेस-वे पर एक स्कूल बस उल्टी दिशा से आ रही थी और उससे तेज रफ्तार में अपने रास्ते जा रही एक कार की सीधी टक्कर हो गई। इसमें छह लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। गनीमत रही कि हादसे के वक्त बस में स्कूली बच्चे सवार नहीं थे। वरना कल्पना की जा सकती है कि इस घटना के बाद क्या हालत होती। इसमें कोई संदेह नहीं कि एक्सप्रेस-वे जैसी सड़क पर उल्टी दिशा से आने वाली बस का ड्राइवर इसके लिए साफतौर पर जिम्मेदार है। लेकिन इस हादसे का जो स्वरूप सामने आया, वह एक्सप्रेस-वे पर सफर के प्रबंधन से जुड़े सभी लोगों की बहुस्तरीय लापरवाही का एक शर्मनाक उदाहरण है। सवाल है कि किसी भी वजह से स्कूल बस का ड्राइवर उल्टी दिशा से कैसे प्रवेश कर गया और कई किलोमीटर तक निर्बाध चलता रहा? दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे का प्रबंधन किसके पास है और ऐसी स्थिति में किसी वाहन को तत्काल रोकने और उस पर कार्रवाई की क्या व्यवस्था है? हैरानी की बात है कि इस तरह की सड़कों पर रफ्तार की वजह से कुछ खास वाहनों के इस पर चलने को सीमित या प्रतिबंधित किया गया है। लेकिन क्या बाकी गाड़ियों के तय सीमा में चलने को लेकर कोई ठोस व्यवस्था है? सड़क पर हर जगह सीसीटीवी की व्यवस्था तो कर दी गई है, लेकिन उसमें निर्धारित गति से ज्यादा तेज या अपनी लेन में नहीं चलने वाले वाहनों को रोकने या नियंत्रित करने की क्या कोई व्यवस्था है? ऐसे लंबे मार्गों पर इसके प्रबंधन से जुड़े विभाग या किसी संबंधित कंपनी की ओर से अचानक उपजी परिस्थिति या हादसे की हालत में सहायता के लिए क्या इंतजाम किए जाते हैं? दरअसल, एक्सप्रेस-वे को सड़क से लेकर घेरेबंदी आदि हर स्तर पर इस स्वरूप में बनाया जाता है कि उस पर आवाजाही को न केवल निर्बाध और तेज रफ्तार बनाया जा सके, बल्कि नियमों के अनुकूल सुरक्षित सफर भी सुनिश्चित किया जा सके। लेकिन हकीकत यह है कि देश भर के एक्सप्रेस-वे पर केवल तेज रफ्तार की वजह से हर साल लगातार हादसे सामने आते रहते हैं और उनमें सैकड़ों लोगों की नाहक ही जान चली जाती है। केवल अच्छी और तेज रफ्तार निर्बाध सड़कें ही सहज यातायात के लिए जरूरी नहीं हैं, बल्कि किसी भी वाहन चालक के लिए सबसे पहले उस पर चलने का सलीका सीखने या उचित प्रशिक्षण की जरूरत है।

17 जुलाई को स्थापना दिवस के अवसर पर

सात्विक ऊर्जा का केंद्र है भगवान् नेमिनाथ का जनकपुरी स्थित जैन मंदिर

शाबाश इंडिया

जनकपुरी-ज्योतिनगर, जैन मंदिर - मूलनायक नेमिनाथ भगवान की प्रतिमा, स्वर्ण आभामय सहस्त्रकूट जिनालय और कुण्डलपुर वाले बाबा की प्रतिकृति युक्त ध्यान केंद्र के लिए पूरे प्रदेश में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। इस मंदिर की नीवं श्रेष्ठी जनो द्वारा 14 दिसम्बर 1978 को लगी थी और 17 जुलाई 1980 को मंदिर जी में विधि विधान के साथ मूलनायक भगवान को स्थापित किया गया था। जयपुर के जनकपुरी-ज्योतिनगर में स्थित इस मंदिर में मूलनायक वेदी के साथ महावीर भगवान की वेदी, पार्श्वनाथ भगवान की वेदी और जिनवानी वेदी के अलावा द्वार के दोनों और क्षेत्रपाल और पद्मावती की वेदियाँ भी हैं। मंदिर का स्वरुप अब बहुत विशाल हो गया है। मंदिर के पास छोटा सन्त भवन, सामने चार मंजिला संयम भवन और अतुलनीय स्तुपाकार सहस्त्रकूट जिनालय के अलावा बड़े बाबा की प्रतिकृति युक्त भव्य ध्यान केंद्र स्थित हैं। मंदिर के विशाल गुम्बज में चार खड़गासन प्रतिमाएं और मंदिर के सामने करीब 360 गज जमीन विभिन्न कार्यो और समारोह में काम आ रही है। इस मंदिर में पूजा ध्यान स्वाध्याय पाठशाला और संस्कारो का उत्कर्ष देखा जा सकता है। प्रथम संत की बात करे तो आचार्य देशभूषण जी के शिष्य मुनि धवल सागर जी के मंदिर जी में चरण पड़ने के साथ ही अब तक छ बड़े चातुर्मास सम्पन हो चुके है साथ ही जयपुर में आए प्रत्येक साधु सन्त को जनकपुरी प्रवास हेतु निवेदन कर आशीर्वाद प्राप्त करने का भाव समाज का रहता है। जयपुर में रहने वाले और आने वाला हर भक्त, श्रद्धालु, भगवान नेमिनाथ के इस अतिशयकारी मंदिर के दर्शन करने का इच्छुक होता हैं, श्रद्धालु को शुभता और आशीर्वाद प्राप्त होता है साथ ही मन में शांति, स्थिरता और अनिर्वचनीय आध्यात्मिक अनुभव को प्राप्त करता है। 17 जुलाई को 22 वें तीर्थंकर नेमिनाथ के इस मंदिर का 44वाँ स्थापना दिवस है हम सभी के लिए बहुत ही आनंदमय और पुण्यकारी दिन है. हम एकसाथ आत्मीयता, श्रद्धा, और आदर्शों का आनंद लेते हैं। हम अपनी आत्मा को शुद्ध करके, सात्विक विचारों को बढ़ावा देते हैं हम मंदिर के साथ अपने गहरे जुड़ाव को फिर से मजबूत करने का संकल्प लेते है। प्रेम और समर्पण के माध्यम से समाज के प्रति अपने योगदान को सुनिश्चित करते हैं। यह मंदिर सामजिक समरसता का पावन धाम है निश्चित रूप से यह तीर्थंकर नेमिनाथ का मंदिर भगवान के दिव्य स्वरुप और सात्विक ऊर्जा का केंद्र हैं। स्थापना दिवस पर आर्यिका विशेषमति माताजी के सानिध्य में समाज द्वारा 15,16,17 जुलाई को त्री दिवसीय महोत्सव अत्यंत उत्साह व भक्ति भाव के साथ मनाया जाएगा जिसमे अभिषेक शान्तिधारा विधान पूजन दीप अर्चना शोभायात्रा ध्वजा रोहण सहित कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे ।

आलेख: पदम जैन बिलाला
राकेश जैन (आकाशवाणी)

अपने स्वभाव की प्राप्ति के लिए राग देष को छोड़ना होगा: आचार्य श्री आर्जवसागर जी

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

हम जो महसूस करते हैं वह हमरा स्वभाव नहीं है सब के वीच राग द्वेष हो रहा है हम राग द्वेष क्रोध मान माया में पड़े है इनको छोड़ने पर स्वभाव की प्राप्ति होती है कर्मों के अभाव में स्वभाव की प्राप्ति होती है, ऐसे उस परमात्मा को हम नमस्कार करते है ऐसे स्वभाव की प्राप्ति ऐसे ही नहीं हो जाती इसको पाने के लिए हम नियम संयम ले लो जैसे दूध में धी की शक्ति छिपी है दूध से तपकर घी तक पहुंचते हैं अग्नि के हटाने से स्वभाव की प्राप्ति होती है ऐसे ही हमें अपने स्वभाव की प्राप्ति हो सकती है उक्त आश्य केउद्गार सुभाष गंज मैदान में धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए आचार्य श्री आर्जव सागर जी महाराज ने व्यक्त किए।

परिग्रह के कोट को उतार कर चारित्र को धारण करना होगा

उन्होंने कहा कि आप वैराग्य भावना को भाये ब्रजनाभी चक्रवर्ती पद को छोड़ने तैयार हो गई सब पापों का जिसे वाप कहा गया परिग्रह कोट उतार कर चारित्र को धारण कर लिया आप भी निर्ग्रन्थ बन जायेंगे तो आप को भी स्वभाव की प्राप्ति हो जायेगी। जगत में संयोग के साथ वियोग निश्चित हैं जगत में जो दिख रहा है जिनसे हमारे स्वार्थ की पूर्ति होती है उन्हें हम ध्याते है अनाधीकाल से ये संसार हमारे पीछे लगा है क्योंकि मोह रुपी मदिरा पी कर ये जीव मद मस्त हो जाता है अपने स्वरूप को भूल जाता है संयोग, ससलेश, तादात्म संबंध तीन प्रकार के संबंध होते हैं मिलना विक्षुणना चलता है संयोग का वियोग निश्चित है जव तक कर्म है तव तक ये आपके साथ है संयोग भी तो दुख रूप है ये शरीरी आत्मा अनेक दुख को देने वाला है।

संयोग छोड़े विना आत्मा का ध्यान हो ही नहीं सकता

उन्होंने कहाकि संयोग छोड़े बिना आत्मा का ध्यान नहीं हो सकता ये देह ही अपनी नहीं है तो घर सम्पत्ति पर प्रकट है पर है

जगत में संयोग के साथ वियोग निश्चित हैं जगत में जो दिख रहा है जिनसे हमारे स्वार्थ की पूर्ति होती है उन्हें हम ध्याते है अनाधीकाल से ये संसार हमारे पीछे लगा है...

परिजन लोय दुनिया में ध्यान तो बहुत कराया जा रहा है लेकिन परिग्रह के त्याग विना ध्यान हो ही नहीं सकता है ऐसे तो छोटी मोटी उपलब्धी मिल जायेगी किन्तु जो आप परम पावन पद की प्राप्ति करने के लिए शुक्ल ध्यान की जरूरी है धर्म ध्यान तो आज भी होता है वहीं संश्लेष संबंध दूध पानी की तरह आत्मा के साथ जो संबंध बंधे है और तादात्म संबंध ये गुण गुणी का संबंध सोने के पीले होने के समान है जैसे सूर्य का प्रकाश धूल से डक जाता है धूल के हटते ही आप अपने आत्म तत्त्व को जान सकते हैं ये इतने आसान नहीं है ये सब अभ्यास से प्राप्त होता है ।

हमें भगवान और गुरु का सारथी बनना है सुधा सागर महाराज

आगरा. शाबाश इंडिया

निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव 108 श्री सुधासागर महाराज ने प्रवचन मे कहा की भगवान,,गुरू को रथ का सारथी मत बनाना हमें गुरु भगवान का सारथी बनना हैं। उन्होंने बेटा बेटी के प्रति बताया कि यदि घर के माता पिता परिवार की अनुपस्थिति में बेटा बेटी खुश हो रहे हैं कि दोस्तों से कहते हो आ जाओ घर पर मस्ती कर लेते हैं, घर पर कोई नहीं है। तो समझ लेना बुरा वक्त आने वाला है। महाराज श्री ने कहा कि अपने बड़े जब बुरे लगने लगे तब विनाश होने वाला है। आगे कहा कि यदि माता-पिता की उपस्थिति खुशी का कारण लगे, और अनुपस्थिति दुख का कारण लगे। माता-पिता कि उपस्थिति खुशी का कारण है अनुपस्थिति दुख का कारण है। इस पर कहा कि यदि आपको माता-पिता की उपस्थिति खुशी का कारण लगती है तो वह सुख का कारण बनती है आपके विकास में सहायक है। यदि उनकी उपस्थिति में आप दुखी हो रहे हैं तो यह विनाश का कारण है। जब हमारे दुख आता तो हमे भगवान गुरू बचायेंगे, यदि हमने सुख के दिनो में भगवान,गुरु को याद करते तो हमारे दुख नहीं आएगा,हमें भगवान,गुरू की रक्षा करना है। आगे कहा कि बड़े जब छोटे से सेवा कराते है तो कांटा हटाते है। और छोटे को पुण्य लगेगा, संकट दूर होंगे पुण्य बढ़ेगा और बड़े की सेवा भी हो जाएगी।.मन मुताबिक जो कार्य करना चाहता है उसके लिए प्रकृति में सब व्यवस्था दी है जो जीना चाहता है उसको जीने के लिए दिया, मरने वालों के लिए जहर भी दिया,मे चाहु तो जो कुछ भी करू लेकिन मुझ पर कोई आरोप नहीं लगना चाहिये में कुछ भी चाऊ में करू, में जब जो चाहु करू मुझ पर कोई आरोप नही हो लगना चाहिए,हम जो कुछ भी गलत कार्य किसी के साथ करेगे तो हमे संसार का सबसे निकृष्ट आदमी बनना पड़ेगा।

संकलन: अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी

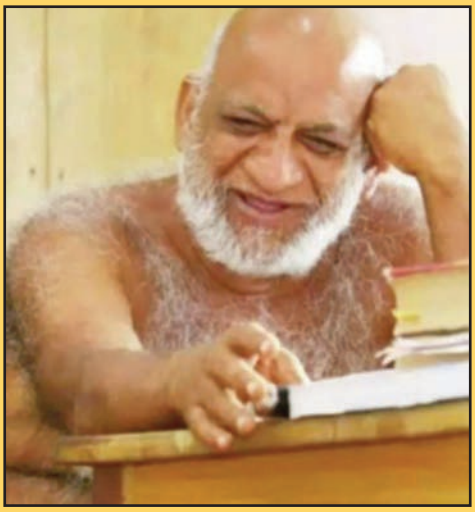

जैन मन्दिरों की सुरक्षा हेतु पुलिस विभाग समाज के बीच पहुँचा

मन्दिरों की संरक्षा एवं सुरक्षा के बतायें नये उपाय और कहा पुलिस सदैव आपके साथ है...

जयपुर. शाबाश इंडिया

वर्तमान में निरन्तर जैन मन्दिरों में चोरी की घटनायें दिनों दिन बढ़ती जा रही है। इस हेतु वरिष्ठ अधिवक्ता सुधान्शु कासलीवाल ने दिगम्बर जैन मन्दिरों की आज भट्टारक जी की नसियाँ में चिन्तन बैठक बुलाई। जिसमें पुलिस विभाग के वरिष्ठ सुरक्षा सलाहकारों में राजीव दासोत, कैलाश विश्नोई, ज्ञान चन्द यादव, शान्ति कुमार जैन को बुलाया गया और उनके द्वारा अनेक नये उपायों के बारे में उपस्थित जैन मन्दिरों से आये प्रतिनिधियों को बताया गया। वरिष्ठ अधिवक्ता सुधान्शु कासलीवाल ने बताया कि राजीव दासोत आईपीएस पूर्व डीजी ने मन्दिरों में सीसीटीवी

कैमरें, गार्ड, मजबूत खिड़कियों के दरवाजें, गोलक को नियमिति खोलना, नियमित दर्शनार्थियों का जागरुक होना, बहुमूल्य सामान को सुरक्षित स्थान पर रखना नजदीकी थाने का नम्बर सूचना बोर्ड पर लिखना, सम्बन्धित पुलिस थाने में स्थानीय पुलिसको सूचना देना मुख्य बिन्दुओं पर चर्चा कर बताया कि किस प्रकार सुरक्षा की जा सकती है। इसके पश्चात कैलाश विश्नोई आईपीएस अतिरिक्त पुलिस कमीशनर एवं ज्ञानचन्द यादव आईपीएस जयपुर ईस्ट डीसीपी ने उपस्थित सदन के समक्ष अपनी बात रखी और कहा कि मन्दिरों में जो रख-रखाव हेतु व्यक्तियों को रखा जाता है उनका पुलिस विभाग में पहचान पुष्टि की सूचना सम्बन्धित थाने में देनी चाहिए। रेकी का ध्यान रखना चाहिए, सायरन एवं आलार्म की व्यवस्था करना और समय-समय पर पूरी जानकारी सम्बन्धित थाने पर देना, ये सभी बातों की जानकारी दी। तत्पश्चात शान्ति कुमार जैन आईपीएस ने मन्दिरों में विराजित मूर्तियों की फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी कराना, वेदियों में सेन्सर लगाना, माली एवं गार्ड और स्टॉफ की मानिटरिंग करना, उनके सम्पर्क के बारे में जानकारी लेना, मन्दिर प्रबन्ध पदाधिकारियों को सूचना साझा करना बताया। इससे पूर्व वरिष्ठ अधिवक्ता सुधान्शु कासलीवाल ने सभी का स्वागत किया। इस अवसर पर विभिन्न सुरक्षा कम्पनियों से आये हुए सुरक्षा विशेषज्ञ महानुभावों द्वारा लाईव डैमो मन्दिरों की सुरक्षा के सन्दर्भ में समझाया गया।

श्री महावीर दि. जैन मन्दिर चित्रकूट कालोनी सांगानेर जयपुर में श्री सिद्ध चक्र महा मंडल विधान 21 जुलाई से

जयपुर. शाबाश इंडिया। परम पूज्य आचार्य श्री 108 सौरभ सागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद से श्री महावीर दि. जैन मन्दिर चित्रकूट कालोनी सांगानेर जयपुर में श्री सिद्ध चक्र महा मंडल विधान एवं विश्व शान्ति महायज्ञ का आयोजन दिनांक 21जुलाई से 25 जुलाई तक होगा।अध्यक्ष - केवल चंद गंगवाल निमोडिया, मंत्री - अनिल कुमार बोहरा (काशीपुरा वाले), कोषाध्यक्ष - सत्य प्रकाश कासलीवाल ने बताया कि मंडल के पुण्यार्जक रतन लाल पारस कुमार अरूण, अरविन्द जैन फागी वाले चित्रकूट कालोनी होंगे। सिद्धचक्र महा मंडल विधान एवं विश्व शान्ति महायज्ञ की पत्रिका का विमोचन पूज्य आचार्य श्री सौरभ सागर जी के सानिध्य में हुआ।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप द्वारा रक्तदान शिविर रविवार, 16 जुलाई को

रीजन सेवा पखवाड़े के अंतर्गत होगा आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन के स्थापना दिवस पर राजस्थान रीजन द्वारा आयोजित सेवा पखवाड़े के अंतर्गत दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा एक रक्तदान शिविर का आयोजन स्वर्गीय श्री सुशील कुमार जी लुहाड़िया की पुण्य स्मृति में रविवार, दिनांक 16 फरवरी को प्रातः 9 बजे से 2 बजे तक मानसरोवर अग्रवाल फार्म स्थित कुमकुम फोटो स्टूडियो पर श्री आदिनाथ मित्र मंडल के सहयोग से लगाया जा रहा है। ग्रुप अध्यक्ष राकेश गोदिका के अनुसार शिविर के लिए अशोक सेठी व अनिल जैन को सयोजक बनाया गया हैं। आदिनाथ मित्र मंडल के अध्यक्ष सुनील जैन व मंत्री राजेंद्र बाकलीवाल ने बताया कि समारोह के दीप प्रज्वलन कर्ता मुकेश लख्याणी, सयोजक स्वच्छ भारत अभियान। शिविर उदघाटन कर्ता श्रीमती भारती लख्याणी पार्षद, चेयरमैन ग्रेटर नगर निगम जयपुर । विशिष्ठ अतिथि कुणाल चौधरी, पूर्व मंडल अध्यक्ष होंगे । समारोह में रीजन अध्यक्ष राजेश बडजात्या तथा सचिव निर्मल जी संघी की गौरवमय उपस्थिति रहेगी।

ग्रुप अध्यक्ष राकेश गोदिका के अनुसार शिविर के लिए अशोक सेठी व अनिल जैन को सयोजक बनाया गया हैं। आदिनाथ मित्र मंडल के अध्यक्ष सुनील जैन व मंत्री राजेंद्र बाकलीवाल ने बताया कि समारोह के दीप प्रज्वलन कर्ता मुकेश लख्याणी, सयोजक स्वच्छ भारत अभियान।

संत श्री सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय का लोकार्पण आज 14 जुलाई को

जयपुर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्यश्री 108 विद्यासागर महाराज के आशीर्वाद व निर्यापक मुनि पुंगव श्री सुधासागर महाराज की प्रेरणा से श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान के अंतर्गत संचालित एवं स्थापित संत श्रीसुधासागर आवासीय कन्या छात्रावास के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण आज शुक्रवार 14 जुलाई को श्री दिगंबर जैन नसियां, वीरोदय नगर, सांगानेर में सुबह 9 बजे समारोहपूर्वक किया जाएगा। कार्याध्यक्ष प्रमोद पहाड़िया ने बताया कि समारोह की अध्यक्षता नई दिल्ली निवासी प्रशांत जैन करेंगे । वहीं पीएनसी ग्रुप के प्रदीप जैन और पूर्व महापौर आगरा नवीन जैन समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में सर्वप्रथम प्रातः 7 बजे मध्यप्रदेश के प्रदीप भैया 'सुयश' के आचार्यत्व में वास्तु शुद्धि विधान होगा। इसके बाद जैन गौरव कंवरीलाल, अशोक, सुरेश और आरके मार्बल परिवार के विमल पाटनी छात्रावास के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण करेंगे। सुबह 11.30 बजे वात्सल्य भोज के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। अध्यक्ष शांति कुमार जैन ने बताया कि संत श्री सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय के नूतन भवन के निर्माण में सहयोगकर्ता कंवरीलाल जैन, अशोक कुमार, नंदकिशोर पहाड़िया, शांता देवी पहाड़िया, रेणु राणा, मोहित राणा, पुष्पा देवी गंगवाल, विनय और आभा सहित सम्पूर्ण भारत के श्रेष्ठीजन उपस्थित रहेंगे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com